भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4185

(दिनांक 26.03.2025 को उत्तर देने के लिए)

'इनोवेट 2 एजुकेट'

4185. श्री शंकर लालवानीः
श्री दुष्यंत सिंहः
श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावाः
श्री राजकुमार चाहरः
श्री हँसमुखभाई सोमाभाई पटेलः
श्री मितेश पटेल (बकाभाई):

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा 'इनोवेट 2 एजुकेट' चुनौती द्वारा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दीर्घकालिक नवाचार को बढ़ावा दिया जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) सरकार विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और सरकारी स्कूल के छात्रों की किस प्रकार से व्यापक भागीदारी सुनिश्चित कर रही है;

(ग) प्रतियोगिता में डिजाइन किए गए उपकरण विकलांग बच्चों के लिए समावेशी हों जैसे कि दृष्टिबाधित या तंत्रिका संबंधी विकलांग शिक्षार्थियों के लिए सुविधाएँ प्रदान की जा सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए क्या प्रावधान किए जा रहे हैं;

(घ) क्या स्टार्ट-अप और छोटे व्यवसायों के लिए कोई वित्तीय सहायता या प्रोत्साहन प्रदान किए जाने की संभावना है जो विजेता प्रोटोटाइप का व्यावसायीकरण करना चाहते हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क): 'इनोवेट2एजुकेट' चुनौती 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज (सीआईसी) - सीजन 1' के अंतर्गत चुनौतियों में से एक है, जो भारत सरकार द्वारा समर्थित है। सीआईसी को वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के अग्रदूत के रूप में लॉन्च किया गया है जिसका ग्रैंड फिनाले 1 मई से 4 मई 2025 तक वेव्स 2025 के दौरान आयोजित किया जाएगा। सीआईसी वैश्विक प्रतिभा को प्रदर्शित करने और विभिन्न रचनात्मक क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है।

(ख): स्कूलों और विश्वविद्यालयों, प्रेस विज्ञप्तियों और उद्योग संघों के साथ संवाद के माध्यम से लोगों तक पहुंच बनाई गई। इसके अलावा, इंडियन डिजिटल गेमिंग सोसायटी (आईडीजीएस) जैसे संगठनों ने शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए है।

(ग): इनोवेट2एजुकेट चैलेंज को बिना किसी प्रतिबंधात्मक दिशा-निर्देश के हैंडहेल्ड डिज़ाइन प्रतियोगिता में अद्वितीय और अभिनव विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रतिभागियों को दिव्यांग बच्चों सहित उपयोगकर्ताओं की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने वाले उपकरण विकसित करने की स्वतंत्रता है।

(घ) से (ङ): चैलेंज में जीतने वाले प्रोटोटाइप को वेव्स 2025 के दौरान वेव्स एक्सीलरेटर, वेव्स बाज़ार और क्रिएटोस्फेयर के माध्यम से उद्यम पूंजीपतियों से निवेश, वैश्विक उद्योग के नेताओं से मार्गदर्शन और अनुभवी उद्यमियों और सेलिब्रिटी निवेशकों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

*****